(क) क्या हिन्दुस्तान अल्यूमिनियम कारपोरेशन (हिन्दालको) को बिजली सप्लाई में कटौती करके बिजली की सप्लाई 85 मेघावाट से 10 मेघावाट कर दी गई है ; और

(ख) क्या इसे सप्लाई की जाने वाली बिजली की दर में भी वृद्धि कर दी गई है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) और (ख). उत्तर प्रदेश सरकार के 2 जून, 1977 के एक आदेश के अनुसार, हिन्दालको को 85 मेघावाट को सामान्य सप्लाई बन्द कर दी गई थी किन्तु कम्पनी की 60 मेघावाट तक की अवलम्ब रूप तथा आपाती सहायता रूप सप्लाई लेने की अनुमति थी। 60 मेघावाट तक बिजली लेने के प्राधिकार के स्थान पर कम्पनी को स्टेंडबाई और इमर्जेन्सी एग्रीमेंट के अन्तर्गत वास्तव में केवल 10 मेघावाट बिजली लेने की ही अनुमति दी गई। परन्तु हिन्दालको के केप्टिव विद्युत केन्द्र रेणुसागर विद्युत केन्द्र की 60 मेघावाट की एक यूनिट अनुरक्षण के लिए बन्द हो जाने के फलस्वरूप, कम्पनी को अवलम्ब रूप 60 मेघावाट बिजली लेने की अनुमति दे दी गई है। हिन्दाल को को दी जा रही अवलम्ब रूप तथा आपाती सप्लाई का विद्युत शुल्क बिजली की सामान्य सप्लाई की दर से अधिक है।

दिल्ली परिवहन निगम की बसों से प्रति दिन लाभ और हानि

5897. **श्री चतुर्भुज** : क्या **नौवहन और परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली परिवहन निगम की प्रत्येक बस से औसत दैनिक आय कितनी होती है और बेकार पड़ी बसों से प्रतिदिन कितनी हानि हो रही है ; और

(ख) बसों की मरम्मत कराने, उन के रख-रखाव और उनके लिए पुर्जे उपलब्ध कराने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं और बसों की मरम्मत करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है ताकि वे ठीक होकर चलने लगें।

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जून, 1977 में दैनिक औसतन आय प्रति बस 377 रु० थी। मरम्मत के लिए खड़ी बसों के कारण हुई हानि के आंकड़े अलग से नहीं निकाले गए हैं।

(ख) मरम्मत के लिए खड़ी बसों के लिए अपेक्षित फालतू पुर्जों और अन्य सामान की शीघ्र खरीद के लिए क्या प्रबन्ध किए जा रहे हैं। 1-7-77 के अनुसार बड़ी-बड़ी मरम्मतों के लिए 468 बसें खड़ी थीं। इनमें से दिसम्बर, 1977 के अन्त तक कम से कम 320 बसों की मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली परिवहन निगम से कहा गया है।

भारतीय वायु सेना के पदों के लिये अंग्रेजी की योग्यता

5898. **श्री मृत्युंजय प्रसाद वर्मा** :
डा० रामजी सिंह :

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय वायु सेना के पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों लिए अंग्रेजी की कितनी न्यूनतम योग्यता निर्धारित की गई है ;

(ख) क्या साक्षात्कार के समय उम्मीदवार के लिए अंग्रेजी में उत्तर देना अनिवार्य है अथवा वह चाहे तो हिन्दी में भी उत्तर दे सकता है ;

(ग) क्या अच्छी अंग्रेजी बोलने वाले उम्मीदवारों को नियुक्तियो में उन उम्मीदवारों की अपेक्षा कोई प्राथमिकता दी जाती है

जिन्हें हिन्दी अथवा उर्दू का अच्छा ज्ञान है, परन्तु जो अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते ; और

(घ) सरकार अंग्रेजी को महत्व और प्राथमिकता देकर उन राज्यों के व्यक्तियों के साथ किस प्रकार न्याय कर रही है, जहां उच्च शिक्षा का माध्यम हिन्दी है, जिसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी शिक्षा-माध्यम वाले उम्मीदवारों की तुलना में उनका अंग्रेजी का ज्ञान कम होता है ?

रक्षा-मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) वायु सेना में चयन/भर्ती के लिए अंग्रेजी की कोई न्यूनतम अर्हता निर्धारित नहीं की गई है। केवल न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं निर्धारित की गई हैं।

(ख) साक्षात्कार के समय उम्मीदवार के लिए अंग्रेजी में उत्तर देना अनिवार्य नहीं है यदि उम्मीदवार चाहें तो वे हिन्दी में उत्तर दे सकते हैं।

(ग) और (घ). जी नहीं। चयन/भर्ती करते समय उम्मीदवार की अंग्रेजी पर बल न देकर, जिस ब्रांच/ट्रेड के लिए चयन/भर्ती की जानी है, उसके लिए अपेक्षित गणित, विज्ञान, इंजीनियरी और सामान्य ज्ञान आदि में उनकी दक्षता पर बल दिया जाता है।

D. T. C. Buses on Route No. 320

5899. SHRI S. G. MURUGAIYAN Will the MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether for the convenience of office going people buses on route No. 320 were started from Shakarpur to Central Secretariat in the morning at 8·15, 8-30, 9·15 and 9·30 A.M.

(b) if so, whether Government are aware that recently so many trip shave been missed in the morning;

(c) if so, number of days on which buses from route No. 320 starting from Shakarpur missed trips during the months of May and June, 1977; and

(d) steps taken/being taken to keep to schedule and also increase one way trip from Shakarpur in view of heavy rush of office going people ?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) For the convenience of those working in the Central Sectt. comlplex, four single trips have been provided at 08·15; 08·35, 09·15 and 09·35 hrs. from Shakarpur on route No. 320.

(b) and (c) : The information is given below:—

Time of trips	*Days on which trips were missed*	
	May-77	*June-77*
08·15	2 days	9 days
08·35	2 days	11 days
09·15	2 days	9 days
09·35	1 day	9 days

(d) The position has since improved. In the first 20 days of July, 1977 only six trips were missed. There is no proposal at present to provide any extr-special trip from Shakarpur as the existing services are considered adequate.

भागलपुर आकाशवाणी केन्द्र में अंगिका भाषा

5900. **डा० रामजी सिंह** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भागलपुर आकाशवाणी केन्द्र के प्रसारणों में अंगिका भाषा को उसी प्रकार स्थान न देने के क्या कारण हैं जिस प्रकार दरभंगा आकाशवाणी केन्द्र में मैथिली को प्राप्त है, जबकि भागलपुर क्षेत्र की भाषा अंगिका है :

(ख) विभिन्न भाषाओं के सम्पूर्ण प्रसारण में प्रत्येक भाषा को कितना रुपया दिया जाता है ; और

(ग) दरभंगा केन्द्र की अपेक्षा भागलपुर केन्द्र को कम समय दिए जाने के क्या कारण हैं जबकि दरभंगा केन्द्र बाद में खुला था ?